

मुख्यमंत्री ने 'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' की थीम
के साथ 'मिशन शक्ति 5.0' का शुभारम्भ किया

'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' नामक फोल्डर, महिला सुरक्षा व अन्य
कार्यों से सम्बन्धित हेल्प लाइन व मिशन शक्ति केन्द्र
के एस०ओ०पी० सम्बन्धी लिटरेचर का विमोचन किया

नारी को जब भी अवसर मिला, हर स्तर पर नारी ने बेहतरीन नेतृत्व दिया : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार ने नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के कार्यों को
तेजी से आगे बढ़ाया, जिसके सकारात्मक परिणाम आज सबके सामने

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से विभिन्न
कल्याणकारी योजनाओं को संचालित किया जा रहा, जिनका केन्द्र बिन्दु नारी

'मिशन शक्ति 5.0' चरणबद्ध रूप से एक माह तक चलेगा,
इसके उपरान्त इसे आगे तीन माह तक विस्तारित किया जाएगा

महिला जागरूकता सम्बन्धी फोल्डर स्कूल, कॉलेजों, जनपद मुख्यालयों, तहसीलों, ब्लॉक
स्तर पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं व बेटियां
अपनी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के सम्बन्ध में जागरूक हो सकें

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी आपातकालीन
सेवाओं के इण्टीग्रेशन कार्य को आगे बढ़ाया गया

अब हर थाने में मिशन शक्ति केन्द्र होगा, हर थाने में स्थापित महिला हेल्पडेस्क में
महिला बीट पुलिस अधिकारी हर समय महिलाओं की सहायता के लिए कार्य करेंगी

हर जनपद में मिशन शक्ति के 5वें चरण के
मासिक व त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की जाए

शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, समाज सेवा, विकास कार्यों इत्यादि क्षेत्रों में
बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटियों व महिलाओं को सम्मानित करने
का कार्य जनपद स्तर व प्रदेश स्तर पर किया जाएगा, यह बेटियां
व महिलाएं आधी आबादी के लिए नयी प्रेरणा व रोल मॉडल होंगी

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन में जो बाधक बनेगा,
उसके सामने संकट की चुनौती हमेशा खड़ी होगी

राज्य सरकार ने उ०प्र० पुलिस बल में महिला कार्मिकों की
संख्या को 10 हजार से बढ़ाकर 44 हजार से अधिक किया

वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में मात्र 03 हजार पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग हो सकती थी,
आज 60 हजार से अधिक पुलिस आरक्षियों की ट्रेनिंग सम्पन्न हो रही

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख से अधिक बेटियां लाभान्वित हो रहीं

40 हजार से अधिक बी0सी0 सखी प्रदेश में हजारों-करोड़ों रु0
का लेन-देन कर रहीं और लाभांश अर्जित कर रहीं

उ0प्र0 में 60 हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाएं 204 टेक होम राशन
इकाइयों को संचालित कर प्रतिमाह 08 हजार रु0 प्राप्त कर रहीं,
आज 02 करोड़ माताएं-बहनें पोषाहार कार्यों से लाभान्वित हो रहीं

लखनऊ : 20 सितम्बर, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां लोक भवन में 'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' की थीम के साथ 'मिशन शक्ति 5.0' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2020 में 'मिशन शक्ति अभियान' नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के ध्येय के साथ शुरू किया गया था। इसके तहत नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम आज सबके सामने हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय समाज प्राचीन काल से जागरूक रहा है। वैदिक कालखण्ड से अब तक नारी को जब भी अवसर मिला, उसने अपनी सशक्त उपस्थिति से नेतृत्व को आगे बढ़ाने में कोई कोताही नहीं बरती। हर स्तर पर नारी ने बेहतरीन नेतृत्व दिया है। उस बेहतरीन नेतृत्व के माध्यम से जिन लक्ष्यों को प्राप्त किया गया, वह समाज के अनुकूल व कल्याणकारी रहा है। राज्य सरकार इसीलिए मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'मिशन शक्ति 5.0' चरणबद्ध रूप से एक माह तक चलेगा, इसके उपरान्त इसे आगे तीन माह तक विस्तारित किया जाएगा। कल 21 सितम्बर को हर जनपद में महिला पुलिस कार्मिकों की बाइक रैली निकालकर मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण का औपचारिक उद्घाटन होगा। आगामी 22 सितम्बर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है। इस दौरान मन्दिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएं। अराजक तत्वों, शोहदों से सख्ती से निपटें। सार्वजनिक स्थलों, स्कूल, कॉलेजों में हमें मिशन शक्ति अभियान तेजी से आगे बढ़ाना होगा। तदोपरान्त इस अभियान को थाने, मन्दिर, मार्केट, स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों आदि जगहों में चलाया जाए।

मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण के कार्यों को गृह विभाग व अन्य सम्बन्धित विभाग बेहतर ढंग से आगे बढ़ाएं। इसके लिए 'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' नामक फोल्डर, महिला सुरक्षा व अन्य कार्यों से सम्बन्धित हेल्प लाइन नम्बर व मिशन शक्ति केन्द्रों के बारे में एस0ओ0पी0 सम्बन्धी लिटरेचर का यहां पर विमोचन किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा के सम्बन्ध में तथा केन्द्र व राज्य सरकार की महिला केन्द्रित

योजनाओं की जानकारी इस फोल्डर में दी गयी है। हर बेटी, महिला को पता चलना चाहिए कि उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कार्य किये जा रहे हैं और वह इनसे किस प्रकार लाभान्वित हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला जागरूकता सम्बन्धी यह फोल्डर स्कूल, कॉलेजों, जनपद मुख्यालयों, तहसीलों, ब्लॉक स्तर पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं व बेटियां अपनी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के सम्बन्ध में जागरूक हो सकें। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी आपातकालीन सेवाओं जैसे—वीमेन पावर हेल्पलाइन-1090, पी0आर0वी0-112 की आपातकालीन सेवा, सी0एम0 हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस सेवा-102, एम्बुलेन्स सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, घरेलू हिंसा महिला हेल्पलाइन-181 इत्यादि के इण्टीग्रेशन की ओर हम आगे बढ़ चुके हैं। मिशन शक्ति केन्द्रों के बारे में एस0ओ0पी0 जारी की गयी है। अब हर थाने में मिशन शक्ति केन्द्र होगा। हर थाने में स्थापित महिला हेल्पडेस्क में महिला बीट पुलिस अधिकारी हर समय महिलाओं की सहायता के लिए कार्य करेंगी।

‘सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश’ फोल्डर को लेकर महिला बीट पुलिस अधिकारी हर ग्राम पंचायत, वॉर्ड में जाएं और लोगों को इसके बारे में जागरूक करें। इस दौरान महिला बीट पुलिस अधिकारी, आशा वर्कर्स, ए0एन0एम0, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, रोजगार सेवक, ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत सहायक, लेखपाल जैसे कार्मिक उपस्थित रहें और लोगों से संवाद बनाएं तथा उनकी समस्याओं का समाधान भी करें। इसके लिए जिला प्रशासन को संवेदनशील बनना होगा तथा मामलों का त्वरित समाधान करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर जनपद में मिशन शक्ति के 5वें चरण के मासिक व त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, समाज सेवा, विकास कार्यों इत्यादि क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटियों व महिलाओं को सम्मानित करने का कार्य जनपद स्तर व प्रदेश स्तर पर होना चाहिए। अच्छा कार्य करने वाली इन बेटियों व महिलाओं की सूची शासन को समय से उपलब्ध करायी जाए, ताकि एक बड़े समारोह में इन्हें सम्मानित किया जा सके। यह बेटियां व महिलाएं आधी आबादी के लिए नयी प्रेरणा व रोल मॉडल होंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कार्यों को लेकर सरकार की नीयत साफ है, नीति स्पष्ट है। इसलिए कार्यों को अटकाने-भटकाने वाले लोगों की जवाबदेही तय करते हुए उन पर कार्यवाही की जाए। अच्छा होगा कि जनपद स्तर पर मिशन शक्ति अभियान के कार्यों के सम्बन्ध में कार्मिकों की काउंसिलिंग की जाए। आने वाले आगामी पर्व और त्योहारों के

दृष्टिगत पी0आर0वी0-112 की पेट्रोलिंग व फुट पेट्रोलिंग को तेज किया जाए और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जाए।

मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिला सम्बन्धी अपराधों को न्यूनतम स्तर पर लाकर उन्हें समाप्त करना है। प्रदेश सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में किये गये कार्यों के परिणामस्वरूप 01 जनवरी, 2024 से अब तक के 9,513 मामलों में 12,271 अपराधियों को दण्डित किया गया है। इसमें 12 अपराधियों को मृत्युदण्ड, 987 को आजीवन कारावास, 3,455 को 10 वर्ष से अधिक की सजा, 7,817 अपराधियों को 10 वर्ष से कम की सजा दिलवाकर प्रदेश सरकार ने अपराधियों को सख्त संदेश दिया है। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन में जो बाधक बनेगा, उसके सामने संकट की चुनौती हमेशा खड़ी होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रदेश सरकार बिना भेदभाव के रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ रही है और महिलाएं प्रगति की राह पर आगे बढ़ रही हैं। आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस बल में महिला कार्मिकों की संख्या मात्र 10,000 थी। राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस बल में महिला कार्मिकों की संख्या 44 हजार से अधिक हो गयी है। पुलिस भर्ती में महिलाओं को 20 प्रतिशत अनिवार्य आरक्षण दिया जा रहा है। अभी हाल ही में सम्पन्न 60,200 से अधिक पुलिस आरक्षियों की भर्ती में 12,044 महिला कार्मिकों की भर्ती हुई हैं, जो वर्तमान में ट्रेनिंग ले रही है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में मात्र 03 हजार पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग हो सकती थी और आज 60 हजार से अधिक पुलिस आरक्षियों की ट्रेनिंग सम्पन्न हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है, जिनका केन्द्र बिन्दु नारी है। डबल इंजन सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, फिट इण्डिया मूवमेन्ट, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जैसी विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों के माध्यम से नारी गरिमा व सम्मान को तेजी से आगे बढ़ा रही है। सरकार की नीयत साफ हो, तो योजनाएं अपना रास्ता स्वयं बना लेती हैं। पहले बेटी की सुरक्षा पर भी खतरा था और उसके रोजगार पर डकैती भी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत बेटी के जन्म से लेकर उसकी स्नातक तक की पढ़ाई के लिए राज्य सरकार 25 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता चरणबद्ध रूप से अभिभावक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध करा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म पर 05 हजार रुपये, बेटी के एक वर्ष पूरा होने और

टीकाकरण सर्टिफिकेट मिलने पर 02 हजार रुपये, पहली क्लास में प्रवेश लेने पर 03 हजार रुपये, छठवीं क्लास में प्रवेश लेने पर 03 हजार रुपये, नौवीं क्लास में प्रवेश लेने पर 05 हजार रुपये तथा 10वीं या 12वीं पास करने के उपरान्त डिग्री कोर्सेज या डिप्लोमा कोर्सेज में प्रवेश लेने पर 07 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना से 26 लाख से अधिक बेटियां लाभान्वित हो रही हैं। गरीब परिवार की बेटियों की शादी के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 01 लाख रुपये की आर्थिक मदद बिना भेदभाव के उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत देश में 12 करोड़ घरों में शौचालयों का निर्माण कराया गया है। यह शौचालय नारी गरिमा का प्रतीक है। 10 करोड़ घरों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराकर नारी को धुएं से मुक्त करने और ग्रीन ईंधन से जोड़ने का अभिनव कार्य किया गया है। आयुष्मान भारत योजना से 10 करोड़ परिवार अर्थात् 50 करोड़ लोग 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्राप्त कर रहे हैं। नारी कभी अपनी जिम्मेदारियों से भागती नहीं है। वह हर सम्भव प्रयास करके उपचार कराने में अपनी ताकत झोंकती है। इस योजना का लाभ नारी के सम्मान से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण भू-अभिलेख (घरौनी) के माध्यम से महिलाओं को जमीन का मालिकाना हक प्राप्त हो रहा है। देश में 03 करोड़ घरौनी वितरित की गयी हैं, जिसमें 01 करोड़ घरौनी अकेले उत्तर प्रदेश में वितरित की गयी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नारी के गरिमा, सुरक्षा, सम्मान उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। 40 हजार से अधिक बी0सी0 सखी प्रदेश में बैंकिंग कार्य सम्पन्न कर रही हैं। यह बी0सी0 सखी हजारों-करोड़ों रुपये का लेन-देन कर रही हैं और लाभांश अर्जित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व पोषाहार से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार हावी था और महिलाओं का हक छीना जाता था। प्रदेश सरकार ने इस पर रोक लगाने के लिए टी0एच0आर0 प्लांट निर्मित कराए, जिनका प्रधानमंत्री जी ने स्वयं उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश में 60 हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाएं 204 टेक होम राशन इकाइयों को संचालित कर प्रतिमाह 08 हजार रुपये प्राप्त कर रही हैं। आज 02 करोड़ माताएं-बहनें पोषाहार कार्यों से लाभान्वित हो रही हैं। आज आंगनवाड़ी केन्द्रों में 'हॉट मील' बच्चों को मिल रहा है। यह कार्यक्रम आज महिला स्वयं सहायता समूह चला रहे हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने एक लम्बी लड़ाई लड़ी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने विगत 17 सितम्बर को सेवा पखवाड़ा का शुभारम्भ किया, जिसके पहले कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ नारी और सशक्त परिवार'

थी। क्योंकि सशक्त परिवार से समृद्ध समाज बनता है और जब समाज समृद्ध होता है तो राष्ट्र को सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। विकसित भारत की संकल्पना का रास्ता यहीं से होकर जाता है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के साढ़े आठ वर्षों के कार्यकाल में लोगों में यह विश्वास आया है कि कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद बच नहीं जाएगा। उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्यवाही की जाती है और आगे भी की जाती रहेगी। भारत को विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनाना है, तो स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना होगा। सशक्त भारत बनाना है, तो स्वास्थ्य की चिन्ता करनी पड़ेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार ने मिशन शक्ति के रूप में अभिनव प्रयोग किया है। भारतीय समाज एवं सनातन संस्कृति में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश में 44,177 बेटियों को पुलिस की वर्दी पहनाकर उनके अन्दर स्वावलम्बन के साथ आत्मविश्वास भरने का कार्य किया गया है। आशा वर्कर व आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां प्रदेश सरकार की रीढ़ की हड्डी हैं।

महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री जी ने नारी शक्ति की अलख जगायी है, तब से महिलाओं में एक नयी चेतना आयी है। महिलाएं थल से लेकर नभ तक अपना परचम लहरा रही हैं। पिक बूथ, पिक पेट्रोलिंग वैन व महिला हेल्प डेस्क आदि हमारी सुरक्षा, संस्कृति का हिस्सा बन चुकी हैं। आज महिलाएं और बच्चे विकास के केन्द्र में हैं। जब तक आधी आबादी सुरक्षित व स्वावलम्बी नहीं होगी, तब तक कोई भी राष्ट्र या समाज उन्नति नहीं कर सकता।

मिशन शक्ति 5.0 के शुभारम्भ कार्यक्रम से मंत्रिगण व जनप्रतिनिधि जनपदों से वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

इस अवसर पर लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद व शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।